कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर में "मशरुम उत्पादन आय अर्जन का स्रोत" विषय पर पाँच दिवसीय रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया |

कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर में दिनांक 10.02.2023 को "मशरुम उत्पादन आय अर्जन का स्रोत" विषय पर पाँच दिवसीय रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ| विदित हो कि यह प्रशिक्षण दिनांक 06.02.2023 को प्रारंभ हुआ था | इन पाँच दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को मशरुम उगाने के फायदे, मशरुम के औषधीय गुण, संभावनाएं, मशरुम उत्पादन द्वारा रोजगार सृजन, मशरुम बीज स्पान तैयार करने की विधि, कम्पोस्ट बनाने की सम्पूर्ण विधि, बटन मशरुम, ओयस्टर मशरुम (धिन्गरी), दुधिया मशरुम, पुआल मशरुम, आदि मुख्य मशरुम को उगाने की सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पहलुओं को दक्षतापूर्वक करके सीखने के सिद्धांत पर बल दिया गया| प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बटन मशरुम उत्पादन हेतु कम्पोस्ट खाद बनाने की छोटी एवं लम्बी अवधि विधि द्वारा कम्पोस्ट तैयार करने की विस्तारपूर्वक जानकारी पॉवर प्रेजेंटेशन एवं वीडियो के माध्यम से दी गई तथा साथ ही वर्ष भर ऋतुओं के आधार पर मशरुम की विभिन्न प्रजातियों के कायिक वृद्धि एवं फलन हेतु विभिन्न तापक्रम की आवश्यकता को भी विस्तारपूर्वक बताया गया | कम्पोस्ट बनाने के लिए गेहूँ या धान का भूसा, कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट, पोटाश सिंगल सुपर फॉस्फेट, यूरिया डाई अमोनियम फॉस्फेट, गेहूं का चोकर, जिप्सम, शीरा आदि को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर सात से आठ बार पलटी करके तैयार किया जाता है| इसमे 30 से 35 दिन लग जाते है और इसी कम्पोस्ट पर मशरुम का बीज फैलाकर केसिंग करने से तथा नमी बनाये रखने पर बटन मशरुम उगता है, जिसमें 15-20 दिन और लगते हैं | एक क्विंटल कम्पोस्ट से 25-30 किलो बटन मशरुम तैयार होता है|. धिंगरी मशरुम (ओयस्टर मशरुम) के लिए कम्पोस्ट की आवश्यकता नहीं होती है, इसे गेहूँ के भूसा या धान के कुट्टी को उबालकर ठंढा करने के पश्चात् तथा नमी की पर्याप्त मात्रा में 2-3 किलो के प्लास्टिक बैग में बिजाई की जाती है जिससे

15-20 दिन बाद ही मशरुम निकलने लगता है | धिन्गरी मशरुम कम समय में तथा बड़ी आसानी से उग जाता है| आज बक्सर के मशरुम उद्यमी श्री संजय कुमार के मशरूम उत्पादन इकाई भी भ्रमण कराया गया तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर में मशरूम बैग भी सभी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार करवाया गया| इस प्रक्षिक्षण कार्यक्रम में कुल 10 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिसमे दो महिला समेत कुल 5 अनुसूचित वर्ग के प्रतिभागी सम्मिलित हुए| प्रशिक्षण में ग्राम चनवथ, नवानगर प्रखंड से रामजी पासवान, राजकुमार पासवान, कुसुमि देवी, ग्राम बलि सोनवर्षा से गोविन्द पासवान, ग्राम गुरैना चुन्नी से धर्मवीर राय, नीरज राय, कोइरर्पुरवा से बिट्टू कुमार एवं एक्देरवा ग्राम से देवेन्द्र ओझा सहित कुल दस लोगों ने भाग लिया| मुख्य प्रशिक्षक श्री रामकेवल ने बताया कि कल सभी प्रशिक्षणार्थियों को एक-एक बैग मशरुम स्पान (बीज), पाली बैग, आदि भी दिया गया, ताकि प्रशिक्षणार्थी अपने घर में भी उगाकर अपना आत्मविश्वास बढ़ा सके | सभी ने प्रशिक्षण के उपरांत संतोष व्यक्त किया तथा उत्साहपूर्वक मशरुम उत्पादन करने की बात कही| प्रशिक्षण के समापन समारोह में प्रभारी कार्यक्रम समन्वयक श्री हरि गोविन्द द्वारा ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी तथा सभी को प्रमाण पत्र वितरित किया गया | इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर के डॉ. देवकरन, डॉ. मांधाता सिंह, आरिफ परवेज़ , सरफराज अहमद खां आदि उपस्थित थे|

पाँच दिवसीय ग्रामीण युवकों हेतु
रोजगार परक प्रशिक्षण कार्यक्रम
विषय – मशरूम उत्पादन : आय अर्जन का स्रोत
अवधि : 06.02.2023 से 10.
स्थान : कृषि विज्ञान केन्द्र, लालग

प्रशासनिक सह प्रयोगशाला भवन
कृषि विज्ञान केन्द्र
लालगंज, बक्सर